एकैप के बारे में

आप बेशक इसे देख न पा रहे हों परन्तु ये सब हर रोज हो रहा है। एकैप एक मात्र ऐसा संचार अभियान है जो गैर कानूनी वन्य उत्पादों की मांग के खिलाफ प्रभावी रूप से आवाज उठा रहा है। 1996 से ही एकैप सरकारी जानी मानी हस्तियों, मीडिया और दूसरे साझीदारो के साथ मिलकर पूरे विश्व में लुप्त प्राय वन्य जीवों से बने उत्पादों की माँग कम करने के लिए काम कर रहा है। जानी मानी हस्तियों द्वारा ग्राहको को जागरूक बनाने के सिलसिले में हर सप्ताह एक अरब लोगों तक पहुँचने के साथ–साथ एकैप राजनीतिज्ञों और स्थानीय समुदाय की मदद से स्कूलों और कालेजो में भी इस अभियान को पहुँचा रही है, जिससे की वन्य जीव संरक्षको की एक नयी पीढ़ी तैयार हो सके।

इस कार्य में हिस्सेदारो की यथासम्भव सहायता ली जा रही है, साथ ही एकैप निःसंदेह वन्य जीव संरक्षण के सबसे कम लागत वाले कार्यक्रमों में से एक है। यह निःशुल्क मिलने वाली विज्ञापन की जगहों, प्रख्यात लोगों और दूसरी सेवाओं के रूप में प्रति वर्ष लाखों डालर की बचत कर रहा है।

हाल के नतीजों में ताइवान के 78 प्रतिशत दर्शक ऐसे हैं जिन्होंने ये शपथ ली है कि वे लुप्त प्राय प्रजातियों से बने उत्पादों का कभी इस्तेमाल नहीं करेंगें और थाइलैंड के 30 प्रतिशत दर्शकों ने बताया कि उन्होंने एकैप अभियान के फलस्वरूप 'शार्क फिन सूप' पीना छोड दिया है।

एकैप का मुख्यालय लंदन में है और विश्व भर में इसके कर्मचारी नई दिल्ली, बीजिंग, दक्षिण पूर्व एशिया, दक्षिण अमेरीका और अमेरीका में भी कार्यरत है।

स्टीव ट्रेंट . ग्लोबल डायरेक्टर एकैप

मिस्टर स्टीव ट्रेंट को अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय अभियानों का 16 वर्ष से अधिक का अनुभव है, उन्होंने वन्य जीवों व उनके प्राकृतिक पर्यावरण के लाभ के लिए योजनाओं को बनाने, लागू करने और इनके परिणाम हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। 1999 में एनवायरनमेंटल जस्टिस फाउन्डेशन की स्थापना से पहले उन्होंने उस दशक के दौरान एनवायरनमेंटल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी में कई वरिष्ठ पदों पर कार्य किया । इसके अलावा उन्होंने कैम्पेन्स डायरेक्टर में भी काम किया। स्टीव फिलहाल वाइल्ड एड के एकैप और एक्टिविस्ट ट्रेनिंग कार्यक्रमों को भी निर्देशित करते है। वे लंदन कार्यालय के प्रमुख है और वाइल्ड एड के निर्देशक मंडल के अध्यक्ष भी है।

एकैप मिशन

उपभोक्ताओं की माँग को कम करना

एकैप का उद्देश्य है दुनिया भर के प्रमुख बाजारों में गैरकानूनी वन्य जीव उत्पादों की माँग को कम करना ताकि पूरे विश्व में एक ऐसी इच्छा शक्ति विकसित किया जा सके जिससे हम अपने जीवन काल में ही गैरकानूनी वन्य जीव व्यापार को समाप्त कर सकें और वन्य जीव संरक्षण को एक अंतर्राष्ट्रीय प्राथमिकता बना सकें।

एकैप के कार्यक्रमों में तीन प्रमुख चुनौतियों पर घ्यान केन्द्रित किया गया है:

ग्राहको की मांग: वन्य संसाधनों के पारंपरिक इस्तेमाल के साथ–साथ खरीदने की प्रवृत्ति बढ़ जाने से पूरे एशिया और दुनिया भर में या तो कई वन्य जीव प्रजातियां समाप्त हो गयी हैं या उनके प्राकृतिक आवास नष्ट हो गये हैं। भविष्य में जनसंख्या की वृद्धि और प्रमुख उपभोक्ता देशो में बढती स मृद्धि यह दर्शाती है कि ये समेस्याये आने वाले समय में और बढ़ जाएगी।

एकैप समाधान: जानीमानी फिल्मी एवं राजनितिक हस्तियों और एकदम नये मल्टी मीडिया अभियानों की मदद से एकैप उपभोक्ताओं के व्यवहार को सीधे ही बदलने की कोशिश कारता है। यह संगठन प्राकृतिक जगत और वन्य जीवो के प्रति उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण को बदलने की कोशिश कर रहा है।

राजनीतिक इच्छा शक्ति: प्रमुख उपभोक्ता और वन्य जीव उपलब्ध कराने वाले देशों में स्थानीय संसाधनो, विशेषज्ञता और राजनीतिक समर्थन की कमी से कानूनों को प्रभावी रूप से लागू करने और परिवर्तन से जुड़े प्रायोजन का असर सीमित ही रहता है ।

एकैप समाधान: क्षेत्र की सबसे प्रख्यात सांस्कृतिक हस्तियों को अपने साथ जोड़ने के अलावा हम स्थानीय तौर पर प्रमुख राजनेताओं की मदद भी ले रहे हैं जो वन्य जीव अपराध सम्बन्धी कानूनों को प्रभावी रूप से लागू करने से जुड़े अभियानों को सीधे ही अपना समर्थन और अपनी मदद देते है।

पर्यावरण सम्बन्धी जागरूकता: वन्य जीव उपलब्ध कराने वाले और इनका उपयोग करने वाले यानी दोनों ही देशों की मीडिया और सांस्कृतिक हस्तियां आम तौर पर पर्यावरण से जुड़ी चिंताओ और वन्य जीव संरक्षण से जुड़ी जरूरतों को समझाने में नकामयाब रहते है जिससे उपभोक्ताओं में तथा आम जनता में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी कम रहती है।

एकैप समाधान: एकैप स्थानीय समुदायों, मीडिया और जन– प्रतिनिधियों के साथ मिलकर स्कूलों और कालेजों में काम करता है ताकि लुप्तप्राय जीव प्रजातियों से बने उत्पादों की मांग कम की जा सके और भविष्य के लिए एक नया वन्य जीव जगत बनाया जा सके।

यदि खरीदारी रूक जाती है तो वन्य जीवों की हत्या भी रूक जाएगी एकैप इंडिया ने फरवरी 2004 में वाइल्ड एड और संस्कारा डेवलेपमेंट ट्रस्ट के साथ संयुक्त अभियान शुरू किया है। इस नई शुरूआत से एक ऐसे नये संरक्षण अध्याय का आरम्भ हो रहा है जिससे भारत में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए एक नयी सार्वजनिक और राजनितिक सहायता मिल पायेगी। भारत की वन्य जीव व वानस्पतिक विविधता का कोई जोड़ नहीं है – यहां दुनिया के कुछ बेहद करिश्माई जीव मौजूद हैं। वन्य जीवों तथा इनके संरक्षण के सम्ब न्ध में भारतीय सविधान ने निन्नलिखित प्रावधान मौजूद है।

आर्टिकल 48 (1) सरकार पर पर्यावरण को बचाने तथा सुधारने की संवैधानिक जिम्मेंदारी तो डालता ही है साथ ही देश के वनो एवं वन्य जीवों को सुरक्षित रखने का उत्तर दयित्व भी सरकार का है।

आर्टिकल 51 (1) (ह) भारत के नागरिकों पर प्राकृतिक पर्यावरण को बचाने और सुधारने की संवैधानिक जिम्मेदारी डालता है इनमें वन, झीलें, नदियां और वन्य जीव शामिल हैं, साथ ही उनसे सभी जीवित प्राणियों के प्रति सहृदयता रखने की भी उम्मीद करता है।

आर्टिकल 48 1 पर्यावरण का बचाव और सुधार तथा वन्य जीवों की सुरक्षा: सरकार पर्यावरण को सुरक्षित रखने और उसे बेहतर बनाने का प्रयास करेगी वह देश के वनों और वन्य जीवों की रक्षा करेगी। इस आर्टिकल को सरकारी नीति के निर्धारक सिद्धान्तों के रूप में आरम्भ किया गया था ।

आर्टिकल 45 . 51।मूलभूत कर्त्तव्य : भारत के हर नागरिक का ये कर्त्तव्य होगा किः

(ह) वह प्राकृतिक पर्यावरण को बचाए और बेहतर बनाए इसमें वन, झीलें, नदियां, वन्य जीव शामिल हैं साथ ही उनसे सभी जीवित प्रणियों के प्रति सहृदयता बरतने की भी उम्मीद की जाती है।

एकैप इंडिया भारत में संस्कारा डेवलेपमेंट ट्रस्ट के साथ संयुक्त रूप से वाघ, हाथी, गैडो, एवं अन्य लुप्तप्राय वन्य जीव प्रजातियों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए गैर कानूनी शिकार व व्यापार तथा पर्यावरण की क्षति के खिलाफ संघर्ष करेगा। एकैप इंडिया भारतीय ग्राहकों से इस प्राकृतिक विरासत को बचाने का आहवान करता है और ऐसा वे वन्य जीवों से बने उत्पादों को खरीदने से मना करके और उन जीवों के पर्यावरण को बचाकर कर सकते हैं।

अभियान

हम बदल रहे है दिल और दिमाग को

एकैप क्षेत्रीय परिवेश को ध्यान में रखकर अभियानें को विकसित करता हैः इसके लिए वह स्थानीय सृजनात्मक और मीडिया साझीदारों के साथ काम करते हुए उन संदेशों की पहचान करता है जो स्थानीय ग्राहकों के दिल और दिमाग को बदल सके। साथ ही वो उन स्थानीय नायकों को भी छांटता है जो पूरे दमखम के साथ इन्हें लोगों तक पहुंचा जा सके। इसके बाद एकैप पत्र –पत्रिकाओं, प्रसारण और दूसरे आफलाइन और आनलाइन मीडिया का इस्तेमाल करके व्यापक विज्ञापन अभियान बनाता है, साथ ही वह राजनीतिक

और सामुदायिक प्रयासों के जरिए आमूल–चूल परिवर्तन के लिए भी प्रयास करता है।

जब खरीदारी रूक जायेगी है तो वन्य जीवों की हत्याएं भी रूक जाएगी

एकैप के लम्बे समय से चल रहे और पुरस्कृत अभियानों में 50 से अधिक एशियाई और पश्चिमी हस्तियां है जो एकैप के प्रमुख संदेश का प्रचार कर रही है। ये संदेश हैं – ' जब खरीदारी रूक जाती है तो वन्य जीवों की हत्या भी रूक जाएगी'। ये अभियान हमारे लोक कल्याण मीडिया साझेदारों – सी एन एन, डिस्कवरी, स्टार टीवी, एनडीटीवी, इंडिया टीवी और वी वी सी वर्ल्ड जैसे अन्य नेटवर्कों के माध्यम से हर सप्ताह एक अरब लोगों तक पहुंच रहा है। एकैप ने हाल में ही जब खरीदारी रूक जाती है तो वन्य जीवों की हत्या भी रूक जाएगी को भारत में भी आरम्भ किया। हम भारत के राष्ट्रपति डा ए पी जे अब्दुल कलाम के समर्थन के लिए ह्रदय से आभारी हैं। फिल्म तथा खेल जगत की हस्तियों जैसे अमिताभ बच्चन, शाहरूख खान और सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली ने भी हमारे इस अभियान को पूरा सहयोग दिया।

एशियाई प्रतिनिधि
जैकी चैन, आंग ली, टोनी लियूंग, मिशेल येओ और अन्य कई हस्तियां

भारतीय प्रतिनिधि
अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, सचिन तेंदुलकर और अन्य कई हस्तियां

पश्चिमी देशों के प्रतिनिधि
राल्फ फिएन्स, सर बैन किंग्जली, मिनी ड्राइवर और अन्य कई हस्तियां

वन्य जीवों के अंतर्राष्ट्रीय मसीहा

यदि हम सब साथ चलें तो कुछ भी कर सकते हैं दुनियां के कुछ जाने –माने खिलाड़ी लुप्त प्राय वन्य जीवों के पक्ष में बोल रहे है।

एकैप वन्य जीवों के संरक्षण की दिशा में विश्व चैम्पियन्स अभियान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के पुरूष और महिला खिलाड़ियों के साथ मिल कर प्रेरणा प्रद टेलीविजन संदेशों की एक श्रृंखला बना रहा है जिसके लक्ष्य होंगें अमेरीका भारत चीन के प्रमुख उपभोक्ता ।न्यूयार्क की जानी मानी विज्ञापन एजेंसी जे वाल्टर थामसन के साथ मिलकर एकैप ने कई खिलाड़ियों को फिल्माया है। जिनमें मांरिस ग्रीन, एलैन जानसन, कैथी फ्रीमैन और हेल ग्रेबसेलैसी हैं, जो लाखों करोड़ो लोगों का आहवान करेंगें कि वे वन्य जीवों और पर्यावरण संरक्षण के लिए मिलकर कदम उठाऐं।

इन अभियानों के माध्यम से युवा वर्ग तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा क्योंकि वे अपने चहेते खिलाड़ियों की बात मानते हैं। इस सिलसिले में राजनेता बड़े उत्सुक नजर आ रहे है क्योंकि एक खिलाड़ी अपने देश को अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर सुर्खियों में ला सकता हैं। एक खिलाड़ी उन प्रतिष्ठानों को भी अपनी ओर आकर्षित कर सकता है जो अपने उत्पादों को बेचने के लिए खिलाड़ियों की मदद लेते है और इस तरह एकैप के विश्व चैम्पियनों में पूरी दुनिया के दिलों दिमाग को जीतने की ताकत है।

जे वाल्टर थामसन के साथ मिलकर एकैप आपके लिए निम्नलिखित विश्व चैम्पियानों को ला रहा है।

मारिस ग्रीनः बुलेट

100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक विजेता मारिस ग्रीन का एक वाघ को बचाने के लिए उस पर चलायी गयी गोली से भी तेज दौड़ते हुए दर्शकों को बताते हैं कि लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाने के लिए दुनिया का सबसे तेज दौड़ने वाला व्यक्ति होने की जरूरत नहीं।

एलेन जानसनः ट्रैप्स

चार बार के विश्व चैंपियन एलेन जानसन विलुप्त प्राय प्रजातियों के सामने मौजूद बाधाओं और खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए बाधादौड़ दौड़तें है।

कैथी फ्रीमैनः स्टार्टिंग गन

आस्ट्रेलिया की लोकप्रिय एथलीट कैथी फ्रीमैन एक दौड़ की शुरूआत को दर्शाते हुए एक बंदूक दागती हैं, ये गैरकानूनी वन्य जीव व्यापार के किसी शिकार के अंत का प्रतीक भी हो सकती है। खैर जो भी हो ये एक ऐसी दौड़ है जो उन्हें जीतनी ही है।

हैले ग्रेबेसलासी : रनिंग

मध्यम दूरी के धावक हेले ग्रेबेसेलासी इथियोपिया के गावों और मैदानों से हो कर दौड़ते हैं और उनके पीछे दौड़ने वाले लोगों का समूह भी बढ़ता जाता है ये लोग वन्य जीवों के गैरकानूनी व्यापार को रोकने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

डवाइट फिलिप्सः एलिफैन्टस

दुनिया के चोटी के लोग जम्पर डवाइट फिलिप्स हाथियों के दांतो के ढेर के उपर से एक लम्बी कूद लगाते हैं, अगर हाथियों को उनके दांतो के कारण मारा नहीं जाता तो ये काम नामुमकिन था।

सन जिहाई

चीन के नैशनल स्क्वाड और मैनचैस्टर सिटी के खिलाड़ी सन जिहाई अपने क्लब स्टेडियम में फुटबाल खेलते हैं ताकि अपनी टीम के लक्ष्य को हासिल कर सकें ये लक्ष्य है वन्य जीवों को बचाना।

साझीदार और समर्थक

1996 से एकैप जे वाल्टर थामसन के अंतर्राष्ट्रीय दल के साथ प्रो बोनो आधार पर परिष्कृत व अत्याधुनिक विज्ञापन को इस्तेमाल करने के लिए काम करता रहा है ।एकैप जे डब्ल्यू टी और उनकी प्रतिभाशाली टीम के जुनून, कड़ी मेहनत, सृजनतात्मकता और सहृदयता के लिए आभारी है।

एकैप निम्नलिखित साझीदारों और समर्थकों को उनके अमूल्य सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहेगा। उनके प्रत्यक्ष समर्थन के बिना हम इतने जोरदार और प्रभावी अभियान नहीं चला सकते थे।

एयर पोर्ट एथारिटी ऑफ इंडिया
एनिमल प्लैनेट
द बारबारा डिलानो फाउंडेशन
ब्लूमबर्ग
द बॉडी शॉप फाउंडेशन
द बॉडी शॉप मलेशिया
द बॉडी शॉप ताइवान
द ब्रिज फैसिलिटीज हाउस
सी टी एस

सी टी वी
सी ई टी वी (चाइनीज एजुकेशनल टेलीविजन)
चैनल 17, थाइलैंड
क्लॉकहाउस
सी एन एन एशिया इंडिया
सी एन एन इंडिया
कॉनसियस सिनेमा
क्रिटिकल इकोसिस्टम पार्टनरशिप फंड (सी ई पी एफ)
क्रो फिल्म एण्ड टेलीविजन
द डेविड शैफर्ड वाइल्ड लाइफ फाउंडेशन
डिस्कवरी नेटवर्क चैनल
डिस्कवरी नेटवर्क यूरोप
डिस्कवरी नेटवर्क इंडिया
दूरदर्शन
डब्स वीडियो डुप्लीकेशन एंड स्टैंडर्ड कन्वर्सन
यू यान सैंग
ईवा एयर
फ्रेम अडलाब्स
फारमोसा टी वी
हॉलमार्क
हिल एंड नाल्टन पी आर मलेशिया हांगकांग
गोल्डन हार्वेस्ट इंटरनैशनल
आई बी एफ (इंडियन ब्रॉडकास्टिंग फाउंडेशन)
द आई–मेइ इन्वायरमेंटल प्रोटेक्शन फाउंडेशन आफ ताइवान
द इंटरनैशनल एडवरटाइजर्स एशोसिएशन, टैप्पी चाप्टर
द जे सी ग्रुप
जे वाल्टर थॉम्पसन इंटरनैशनल

लाइफ कन्जर्वेशनिस्ट एशोसिएशन
एम टी वी नेटवर्क एशिया
मीडिया क्राप टीवी सिंगापुर
द मूविंग पिक्चर कम्पनी
माइक पांडेय प्रोडक्शन्स
नैशनल फिश एंड वाइल्ड लाइफ फाउंडेशन
पी टी वी
रियली गुड प्रोडक्शन्स
रीफवाच
एन डी टी वी
द रॉबर्ट सैद फाउंडेशन
द रोटरी क्लब तैपी येनपिंग ब्रांच
रॉयल सोसाइटी फार द प्रोटेक्शन आफ क्रूअल्टी टू एनिमल्स
(आर एस पी सी ए)
सहारा टी वी
सैंक्चुरी मैगजीन
सेव द टाइगर फंड
स्क्रीन पावर–द ऑफिसियल जैकी चैन फैन मैगजीन
स्टार टी वी
एस वी सी–डिजिटल पोस्ट प्रोडेक्शल फाउंडेशन हॉउस
टी टी वी (ताइवान)
टी वी 3 मलेशिया
टैपी सिटी जू
ताइवान आई–मेइ इन्वायरमेंटल प्रोटेक्शन फाउंडेशन
द यूनाइटेड नैशन्स फाउंडेशन
विजन फॉर मीडिया ग्रुप
वी एच क्यू पोस्ट मलेशिया वन स्टाप प्रोडक्शन फैसिलिटी

वाइल्डरनेस फिल्मस
जी टी वी
द जूलोजिकल सोसाइटी ऑफ लंदन

दान करें
हालाकि एकैप लोक कल्याण के लिए जुटे अपने साझीदारों के माध्यम से यथा सम्भव काम करने की कोशिश करता है फिर भी हमें इस कार्यक्रम से जुड़े तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों से सम्बन्धित खर्च पूरे करने के लिए प्रत्क्षय धन की आवश्यकता होती है। आप कितना भी अंशदान क्यों न भेजे हमें उसे पा कर अत्यन्त हर्ष होगा।
कृपया इस आवश्यक और महत्वपूर्ण प्रयास में हमारा हाथ बटायें।

चैक निम्न पतो पर भेजे जा सकते है।

ब्रिटेन यूरोप (सभी चैक पाउंड या यूरो में भेजे जाएं)
ACAP/EJF
5 St Peters Street
London, N1 8JD
UK

भारत (सभी चैक रूपये में भेजे जाएं)
ACAP India / Sanskara Development Trust
F-328, IInd Floor, Lado Sarai, Mehrauli
New Delhi – 110030

अमेरीका (सभी चैक डालर में भेजे जाएं)

ACAP/WildAid
450 Pacific Avenue, Ste 201
San Francisco, CA 94133

कृपया फोन पर अंशदान के लिए या निम्न जानकारी पाने के लिए हमें 1– ८६६ बाइल्डएड पर फोन करें या कवदंजम / पूसकंपकण्वतह पर ई मेल करें।

- भेंट के रूप में सामग्री देते समय।
- अपनी एस्टेट प्लानिंग में एकैप वाइल्डएड को शामिल करते समय।
- कार्पोरेट साझेदारी बनाते समय।
- किसी कार्यस्थल को बनाते समय।
- वाइल्ड एड के साथ किसी पूर्णकालिक स्वयंसेवक या इन्टर्नशिप रोजगार के लिए ।

एकैप / वाइल्ड एड को दिये गये समस्त अंशदान कानून द्वारा अनुमित सीमा तक ही कर से मुक्त हैं। वाइल्ड एड टैक्स
ID Number: 52-1934148.

http:/www.wildaid.org/donate